बिहार मे सूखा की समस्या एंव इससे निपटने के उपाय

Vishal
V.S.J. college

• **सूखा** -

बिहार मे दक्षिणी बिहार का मैदान मुख्य रूप से सूखे से प्रभावित होता है। कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, लखीसराय, मुंगेर, जमुई, शेखपुरा, भागलपुर, पटना, नालंदा, जहानाबाद आदि जिले सूखा - पीड़ित है। कई जिले बाढ़ और सूखा दोनो से प्रभावित होते हैं। कुल मिलाकर बिहार का 20% भाग सूखा- पीड़ित है।

• **सूखे की समस्या के प्रमुख कारण** :-

सूखे का प्रमुख कारण मानसून की अनिश्चितता है। यदि वर्षा मध्य मई से मध्य अक्टूबर के बीच लगातार चार सप्ताह तक 5 cm. से कम हो, तो मौसम विज्ञान के अनुसार यह सूखे की स्थिति है। दक्षिण बिहार के मध्य में वर्षा 100 cm से कम होती है। यह सामान्य सूखा का क्षेत्र है। दक्षिण बिहार मे बहने वाली नदियां ग्रीष्म ऋतु में सूख जाती है, जो सूखे को बढ़ावा देती हैं। वनो के विनाश ने वर्षा की अनिश्चितता को बढ़ाया है, जो सूखे का कारण है।

• **सूखे से निपटने के उपाय** :-

सूखे से निपटने के लिए वनीकरण अत्यंत आवश्यक है। नहर - विकास के साथ बिहार मे वनीकरण, शुष्क कृषि, ट्यूबवेल आदि कार्यक्रमों पर ध्यान दिया गया है। सोन नहर परियोजना सूखे से निपटने एंव दक्षिण बिहार में सिंचाई के लिए आरंभ की गयी थी। सूखे के समाधान हेतु सबसे कारगर उपाय वाटरशेड प्रबंधन है, ताकि अनुपयुक्त एंव बर्बाद होने वाले जल का समुचित उपयोग किया जा सके। नदियों के जल एंव वर्षा जल को नहरो एंव छोटे जलाशयों मे संचित किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

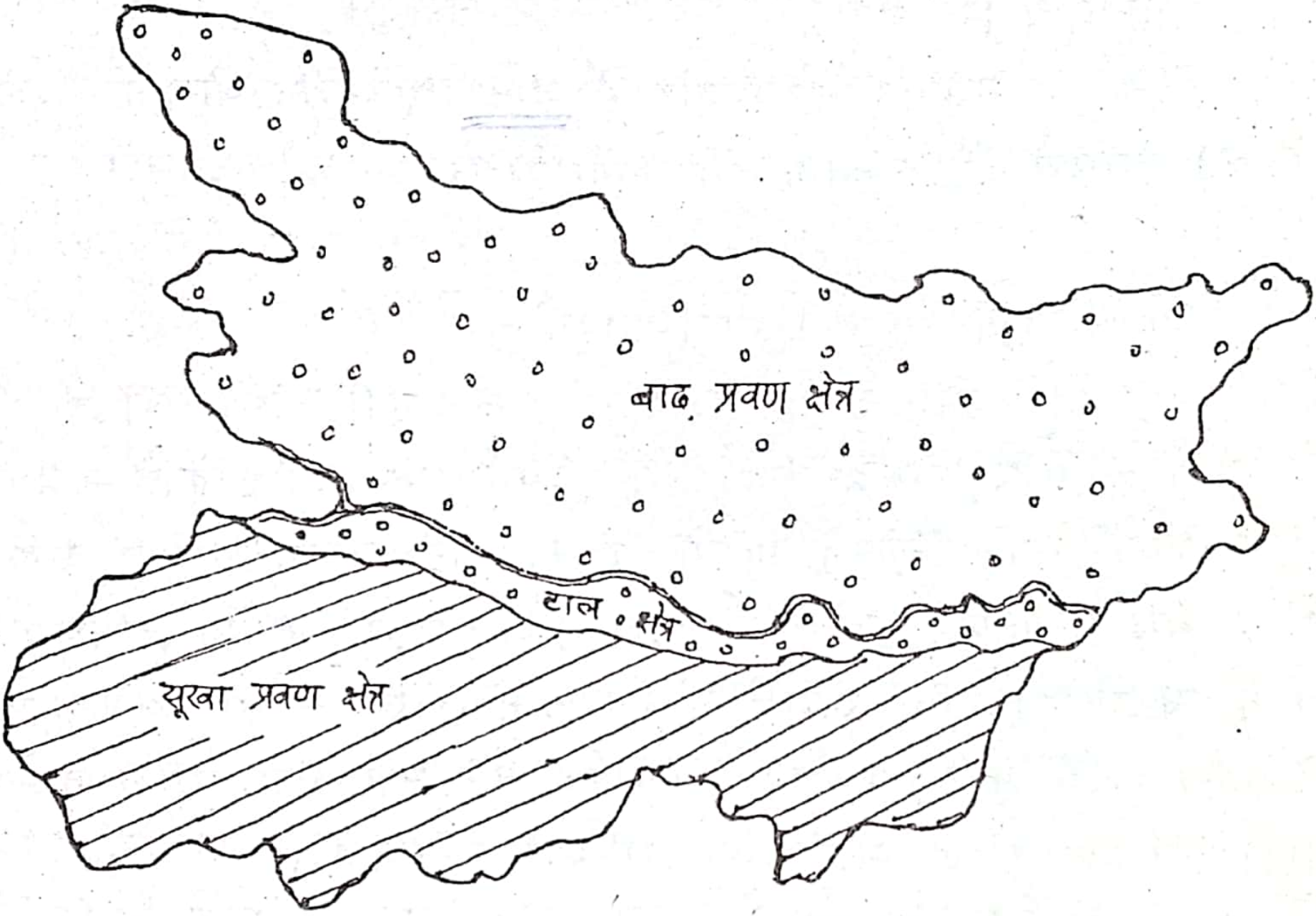

Scanned with CamScanner